भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †29
सोमवार, 04 दिसम्बर, 2023/13 अग्रहायण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में अत्यधिक भीड़

†29. डॉ. ए. चेल्लाकुमार:
श्री बैन्नी बेहनन:
श्री के. सुधाकरन:
श्री के. मुरलीधरन:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में अत्यधिक भीड़ के कारण उत्पन्न संकटों की जानकारी है;
(ख) यदि हां, तो अत्यधिक भीड़ के क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार ने अवसंरचना में सुधार करने और भीड़-भाड़ पर काबू पाने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और
(घ) क्या मंत्रालय को आबंटित निधि में जिम्मेदार पर्यटन व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शैक्षिक अभियानों और सूचना प्रसार पहलों के लिए वित्तपोषण शामिल है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क) से (घ): जी हां, महोदय । सरकार ने स्वदेश दर्शन, प्रशाद और केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजनाओं के माध्यम से अवसंरचना को बेहतर बनाने और भीड़-भाड़ से बचने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं । पर्यटन मंत्रालय भारत के नए गंतव्यों और अल्पज्ञात गंतव्यों का भी विकास कर रहा है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन संबंधी राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है । इस कार्यनीति के कार्यान्वयन में मंत्रालय की सहायता करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) को केंद्रीय नोडल एजेंसी-स्थायी पर्यटन (सीएनए-एसटी) के रूप में नियुक्त किया है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन संबंधी राष्ट्रीय कार्यनीति के अनुसार ट्रैवल फॉर लाइफ पहल की शुरूआत की है । ट्रैवल फॉर लाइफ का लक्ष्य पर्यटन संसाधनों की खपत हेतु पर्यटकों तथा पर्यटन व्यवसायों के लिए उठाए गए सुविचारित और सुनियोजित कदमों के माध्यम से देश में स्थायी पर्यटन का संवर्धन करना है ।

पर्यटन मंत्रालय आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) योजना के तहत ऐसी पहलों को वित्तपोषित कर रहा है ।

*****